दैनिक भास्कर
राजसमन्द भास्कर 10-03-2025

हिन्दुस्तान जिंक और मंजरी फाउंडेशन ने सखी उत्सव मनाया, एक हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया

सशक्तिकरण की मिसाल बनीं एक हजार महिला सखी

रेलमगरा | अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर वेदांता स्टेडियम में हिन्दुस्तान जिंक और मंजरी फाउंडेशन ने सखी उत्सव किया। कार्यक्रम में एक हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि महिलाएं अब स्वावलंबी हो रही हैं। उन्हें परिवार की जिम्मेदारी निभाने के लिए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और संस्कार हमारी ताकत हैं। महिलाएं चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ें और समाज व देश की प्रगति में योगदान दें। बलवंतसिंह राठौड़, डीएससी हेड दीप अग्रवाल, हेड एक्सटर्नल अफेयर्स कर्नल अक्षय ओहरी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी केशव कुमार, सेफ्टी हेड मोहन फटांडे, रेलमगरा सरपंच आशा जाट, महेंदुरिया सरपंच पारस कंवर और खडबामनिया सरपंच पुरण कंवर मौजूद रहे। बलवंतसिंह राठौड़ ने कहा कि महिलाएं परिवार और कार्यक्षेत्र के बीच संतुलन बनाकर चलती हैं। हिन्दुस्तान जिंक अपने सखी समुदाय की हर महिला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सखी, समाधान और जिंक कौशल जैसे कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं को सशक्त किया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि वेदांता समूह और हिन्दुस्तान जिंक में महिलाएं उच्च पदों पर कार्यरत हैं और माइंस प्रबंधन में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। सखी उत्सव में मटकी फोड़, रस्साकस्सी, कबड्डी, जलेबी रेस और चेयररेस जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। महिलाओं ने भजन-कीर्तन और राजस्थानी गानों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम में एक हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं, महिला कर्मचारी और जिंक परिवार के सदस्य शामिल हुए। खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। सखी समृद्धि समिति और सखी फेडरेशन की अध्यक्ष पूजाकंवर ने परियोजना की वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी दी। समूह की महिलाओं ने फैशन शो, लोक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। सीएसआर द्वारा संचालित सखी, समाधान, जिंक कौशल, शिक्षा संबल और माइक्रो इंटरप्राइजेज की जानकारी स्टॉल के माध्यम से दी गई। राजस्थान के 6 जिलों उदयपुर, सलूंबर, राजसमंद, भीलवाड़ा, अजमेर, चित्तौड़गढ़ और उत्तराखंड के पंतनगर में सखी कार्यक्रम चला रहा हैं। राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स के आसपास 300 से अधिक सखी समूहों से 3 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं।